बंद कुएं की खुदाई करने उतरे तीन मजदूरों की जहरीली गैस से मौत

पिता के सामने दो पुत्रों व दामाद का जहरीली गैस से दम घुटा, मौत

बाप, (निसं)। नमक उत्पादन क्षेत्र रिण में एक बंद कुएं की खुदाई करने अंदर उतरे तीन मजदूरों की जहरीली गैस में दम घुटने से मौत हो गई। कुंआ 2007 से बंद बताया जा रहा है। तीनों मजदूर बाहरी थे, इसलिए उन्हें कुएं के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी। हादसे की जानकारी मिलने पर फलौदी कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, एसपी हनुमान प्रसाद, बाप एसडीएम मांगीलाल, बाप थानाधिकारी हमीरसिंह व जाम्बा थानाधिकारी सुरेश कुमार मय जाप्ता मौके पर पहुंच गये। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी एकत्रित हो गये थे।

जानकारी के अनुसार जांबा थाना क्षेत्र के देगावडी सरहद में फलौदी निवासी श्यामसुंदर सैन की नमक की ईकाई है जिसे स्थानीय भाषा में नमक प्लांट कहा जाता है। उक्त इकाई में एक बंद पड़े कुएं की सफाई करवाने के लिए रविवार सुबह करीब 9.30 बजे लक्ष्मणराम (23), रविदास (21) दोनों पुत्र प्रभुराम बावरी, निवासी कुशालपुरा (जेतारण-पाली) तथा इनके बहनोई तिलोकाराम (30) पुत्र तेजाराम निवासी लाम्बा (बिलाड़ा) कुएं में उतरे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले साला-बहनोई लक्ष्मणराम व तिलोकाराम अंदर उतरे थे। करीब 80 फीट गहरे कुंआ में अंदर उतरने के बाद जैसे ही उन्होंने खुदाई शुरू की, तभी दमघोटू जहरीली गैस निकल गई। उनके अंदर से आवाज देने पर रविदास भी अंदर उतरा, लेकिन वह भी अंदर ही रहा। तीनों अंदर बहोश हो गए। तीनों के अंदर बेहोश होने की सूचना आसपास फैली तो वहां कार्य कर रहे मजूदरों के अलावा मलार सरपंच प्रतिनिधि मनोज बोहरा, बबलू सैन सहित बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गये। बताया जा रहा है कि कुंए से बाहर निकली गैस की वजह से बाहर खड़े लोगों का भी दम घुटने लगा था। लोगों की माने तो वहां सांस लेना मुश्किल हो गया था। इस बीच सूचना देने पर पहले बाप पुलिस मय जाप्ता मौके पर पहुंची। इसके बाद जाम्बा थाना पुलिस भी पहुंच गई। कलेक्टर, एसपी, डिप्टी व बाप एसडीएम भी घटना स्थल पर पहुंचे, लेकिन संसाधनों के अभाव में तीनों को बाहर निकालना आसाना नहीं था। फिर एक जुगाड की मदद से तीनों को बाहर निकाला गया। तिलोकाराम को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। तीनों को फलौदी सरकारी अस्पताल भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला।

- कुआं 2007 से बंद बताया जा रहा है, तीनों मजदूर बाहरी थे, कुएं के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी

कुशालपुरा निवासी प्रभुराम अपने तीन पुत्रों व पुत्रवधुओं व बेटी दामाद के साथ पिछले एक साल से नमक उत्पादन क्षेत्र रिण में मजदूरी का काम कर रहे है। रविवार सुबह तक सबकुछ ठीक ठाक था। लेकिन प्रभुराम को पता नहीं था कि रविवार को उस पर वज्रपात होने वाला है। उसकी खुशियां छीन जायेंगी। यह दिन ताउम्र के लिए काला स्याह बन जायेंगा। प्रभुराम स्वयं अपने दो बेटों लक्ष्मणराम व उसकी पत्नी तथा रविदास तथा बेटी एवं दामाद तिलोकाराम के साथ श्यामसुंदर सैन के नमक कुंए की खुदाई के लिए वहां पहुंचे। बताया जा रहा है कि यह नमक का कुंआ 2007 से ही बंद था। पहले लक्ष्मणराम व तिलोकाराम अंदर उतरे। अंदर दम घुटने पर दोनों बाहर निकालो बाहर निकालो चिल्लाये। उनकी आवाज सुन रविदास भी अंदर उतरा, लेकिन वह भी अंदर ही रहे। प्रभुराम के आंखों के सामने उसकी दुनिया उजड़ चुकी थी।

हरियाणा नंबर की कार से अठारह लाख रूपए बरामद

कार चालक ने पूछताछ में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया

लालसोट, (निसं)। थाना क्षेत्र के बड़ का पाड़ा स्थित दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे टोल प्लाजा पर लालसोट थाना पुलिस की टीम द्वारा नाकेबंदी में तलाशी के दौरान हरियाणा नंबर गाड़ी में से 18 लाख रुपए की नगदी जप्त की।

लालसोट थाना पुलिस के एएसआई प्रताप सिंह की अगुवाई में पुलिस की टीम टोल प्लाजा पर जिस समय नाकाबंदी कर मुस्तैदी के साथ आने जाने वाले वाहनों पर निगरानी रख रहे थे उसी समय उनको सामने से हरियाणा नंबर का एक वाहन आता दिखाई दिया। जहां पर उसे वहां की संदिग्धता को देखते हुए तलाशी लेने पर उसमें भारी नगदी बरामद हुई है। जिसमें से 18 लाख रुपए की नगदी बरामद की है। लालसोट विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर एसडीएम नरेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के मद्देनजर पुलिस प्रशासन सक्रिय रहकर अवैध गतिविधियों नजर रख रहा है। वहीं हाईवे पर पुलिस की जगह-जगह नाकेबंदी लगी हुई है। जहां बड का पाड़ा स्थित टोल नाके के पास से होकर गुजर रहे दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस पर पुलिस ने तलाशी के दौरान एक हरियाणा नंबर कार से 18 लाख रुपए की नगदी जप्त की है।

एएसपी रामचंद्र सिंह ने बताया कि चुनाव आयोग की गाइडलाइन के चलते पुलिस की 24 घंटे नाकेबंदी के दौरान बनाई गई चैक पोस्ट पर तलाशी के दौरान शनिवार रात्रि को एक हरियाणा नंबर कार की डिक्की में 18 लाख रुपए की नकदी मिली है। कार चालक से पूछने पर उसने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने 102 सीआरपीसी में 18 लाख रुपए की नगदी जब्त करने की कार्रवाई को अंजाम दिया। इस मामले में संबंधित विभाग आईटी को सूचना दे दी गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

थाना क्षेत्र के दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे बड़ का पाड़ा पर स्थित टोल प्लाजा पर पुलिस ने कार में रखे 18 लाख रुपए जब्त किये।

पूर्व गृह राज्यमंत्री बेनीवाल पर एफआईआर दर्ज

जयपुर के एक थाने में पारिवारिक सम्पति के विवाद का मामला दर्ज

बीकानेर, (कासं)। कांग्रेस सरकार में गृह राज्यमंत्री रह चुके लूणकरनसर के पूर्व विधायक वीरेंद्र बेनीवाल के खिलाफ जयपुर के एक थाने में पारिवारिक सम्पति के विवाद का मामला दर्ज हुआ है। जिसमें बेनीवाल सहित परिवार के अन्य सदस्यों को नामजद किया गया है।

बेनीवाल के भाई बृजेंद्र बेनीवाल के बेटे रमित बेनीवाल ने ये मामला दर्ज कराया है। जिसमें कहा है कि उनके दादा और पूर्व विधायक भीमसेन चौधरी और दादी सुनीता चौधरी के नाम से जयपुर के बजाज नगर हाउसिंग कॉपरेटिव सोसायटी, जवाहर नगर जयपुर में राजस्थान आवासन मंडल का एक भूखंड, बीकानेर के सादुलगंज के सी सेक्टर में एक भूखंड और बीकानेर के सादुल कॉलोनी में एक प्लॉट है। ये सभी संपत्तियां भीमसेन चौधरी ने अपनी स्वयं की आय से पत्नी सुनीता चौधरी के नाम से खरीदी गई थी।

रमित का दावा है कि इन संपत्तियों में उनके पिता का भी हिस्सा है। इन संपत्तियों का हिस्सा नहीं किया जा रहा है। रमित का आरोप है कि अब इन संपत्तियों को वीरेंद्र बेनीवाल और उनके परिवार के सदस्य कूट रचित दस्तावेजों से अपने नाम करने की कोशिश कर रहे हैं। रमित ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि उसके व पिता के साथ गाली गलौज और मारपीट भी की गई। ये भी बताया गया कि ये संपत्ति वीरेंद्र बेनीवाल की मां के नाम से थी, जो उन्होंने अपने व परिवार के नाम करवा ली। बेनीवाल के नाम हुई वसीयत को भी उनका भतीजा कूटरचित बता रहा है। रमित का आरोप है कि उसे और उसके पिता को जान से मारने की धमकी दी गई है।

अदालत के माध्यम से इस्तगासा पेश करके ये एफआईआर जयपुर के शिप्रा पथ थाने में मामला दर्ज कराया है। इधर, पूर्व गृह राज्य मंत्री वीरेंद्र बेनीवाल का कहना है कि उन्हें थाने में इस तरह के किसी मामले के दर्ज होने की जानकारी नहीं है। सिविल मामले अदालतों में चल रहे हैं, जिसमें कहीं पर इनके पक्ष को स्वीकार नहीं किया गया है।

- विधायक रहे पिता भीमसेन चौधरी की संपत्ति के मामले में भतीजे ने ही दर्ज कराया मामला
- जिसमें बेनीवाल सहित परिवार के अन्य सदस्यों को नामजद किया गया है

सांसद देवजी पटेल का विरोध, 18 मंडल महामंत्रियों का सामूहिक इस्तीफा

जालोर, (कासं)। सांचोर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की ओर से सांसद देवजी पटेल को टिकट के बाद भारी विरोध देखने को मिल रहा है। रविवार को विधानसभा क्षेत्र के 18 मंडल महामंत्रियों ने सामूहिक इस्तीफा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को भेजा।

सांचोर विधानसभा क्षेत्र में सांसद देवजी पटेल के टिकट की घोषणा के बाद भाजपा में घमासान जारी है। रविवार को सांचोर विधानसभा के 18 मंडल महामंत्रियों ने सामूहिक इस्तीफा देकर भाजपा नेतृत्व को संदेश दे दिया है कि अपनी गलती सुधारे। अन्यथा पार्टी को विपरित परिणाम भुगतने पड़ सकते है। सांचोर विधानसभा क्षेत्र के जिन 18 मंडल महामंत्रियों ने इस्तीफा दिया है उनमें भरतदास संत सांचोर नगर, लक्ष्मीचंद जीनगर सांचोर नगर, माधुसिंह विरोल सांचोर ग्रामीण, प्रभुराम कोली सांचोर ग्रामीण, महा देवाराम चौधरी अरण्या, मंगलसिंह जोजावत अरण्या, सांवलाराम चौधरी अरण्या, गणपतलाल पुरोहित सत्यपुर, गजेंद्र सिंह कारोल सत्यपुर, कृष्णदास संत केसुरी, हुकमसिंह खावडिया चितलवाना, हनुमान सैन चितलवाना, नेमाराम कोली चितलवाना, तेजपाल सिंह टांपी डूंगरी, अर्जुनराम माली टांपी डूंगरी, डालूराम मेघवाल टांपी डूंगरी व रमेश कुमार केसुरी सहित सभी ने सामूहिक इस्तीफा प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी को सौंप दिया है।

इस्तीफा देने वाले सभी मंडल महामंत्रियों ने प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी को लिखा है कि संगठन ने भाजपा कार्यकर्ताओं की भावनाओं को दरकिनार करते हुए अप्रत्याशित रूप से सांसद देवजी पटेल को सांचोर से विधानसभा प्रत्याशी बनाया है। सभी ने बताया कि 5 वर्षों से पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी और पूर्व प्रत्याशी दानाराम चौधरी का साथ और सहयोग भाजपा संगठन के प्रत्येक कार्य में रहा है। जबकि सांसद देवजी पटेल पांच साल तक पार्टी कार्यकर्ताओं से दूर रहे। इस्तीफा देने वाले सभी मंडल महामंत्रियों का कहना है कि मतदाताओं की भावना जीवाराम चौधरी और पूर्व प्रत्याशी दानाराम चौधरी के साथ है, सभी भारी मन से इस्तीफा दे रहे हैं। सांचोर में देवजी पटेल के टिकट की घोषणा के बाद मचा घमासान व विरोध रुक नहीं रहा। कार्यकर्ताओं का कहना है कि अगर नेतृत्व ने उनकी बात नहीं मानी को भाजपा को नुकसान होगा। देवजी पटेल के टिकट की घोषणा के बाद रविवार को 18 मंडल महामंत्रियों के इस्तीफे से पूर्व पार्टी के छह मंडल अध्यक्षों ने पार्टी के उम्मीदवारों की पसंद के खिलाफ विद्रोह का प्रदर्शन करते हुए एक साथ इस्तीफा दिया है।

लोगों का कहना है स्थानीय उम्मीदवारों की अनदेखी की गई है। इस असंतोष की परिणति सांचोर विधानसभा क्षेत्र से छह मंडल अध्यक्षों के सामूहिक इस्तीफे के रूप में हो चुकी है, रविवार को 18 मंडल महामंत्रियो ने इस्तीफे सीपी जोशी को भेजे गए हैं।

सांचोर विधानसभा क्षेत्र के 18 मंडल महामंत्रियों ने इस्तीफा भेजा।

- 18 मंडल महामंत्रियों ने सामूहिक इस्तीफा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को भेजा
- इस्तीफा देने वाले सभी मंडल महामंत्रियों का कहना है कि मतदाताओं की भावना जीवाराम चौधरी और पूर्व प्रत्याशी दानाराम चौधरी के साथ है

दलित युवक का अपहरण कर हत्या

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायपुर थाना क्षेत्र से दलित युवक के अपहरण के बाद युवक की हत्या कर दी गई। युवक का शव थोरियाखेड़ा गांव के जंगल में 7 दिन के बाद मिला। सहाड़ा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोशन पटेल के नेतृत्व में चार दिन से पुलिस की चार टीमें युवक पूरणमल की तलाश कर रही थी। रविवार को दोपहर में ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिली थोरियाखेड़ा के निकट जंगल में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची शव की शिनाख्त रायपुर से 8 अक्टूबर को अपहरण कर ले गए युवक पूरणमल रेगर के रूप में परिजनों द्वारा की गई। प्रशासन में पुलिस के आला अधिकारी पहुंचे रायपुर, परिजन व ग्रामीण मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार रायपुर में 8 अक्टूबर को दलित युवक पूरणमल रेगर का रायपुर उपखंड कार्यालय के बाहर स्थित चाय की दुकान से स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर आए चार लोगों ने अपहरण कर लिया था। युवक के पिता ने पुलिस थाना रायपुर में मुकदमा दर्ज करवाया था। वही सर्व समाज व दलित संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा 12 अक्टूबर को राज्यपाल के नाम रायपुर तहसीलदार को ज्ञापन देकर 2 दिन में पूरणमल रेगर का पता नहीं लगाया गया और अपराधियों को नहीं पकड़ा गया तो रायपुर बंद की चेतावनी दी गई थी। पुलिस द्वारा मामले को लेकर संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा पूछताछ की जा रही है। अपहरण के मामले में पुलिस की चार टीमों का गठन किया गया। पुलिस की चारो टीमें सरगर्मी से आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस में प्रशासन के आला अधिकारी रायपुर पहुंचे। परिवारजन व ग्रामीण युवक की हत्या के बाद मुआवजे की मांग कर रहे हैं। देर रात तक गतिरोध बना हुआ था।

मृतक युवक

- सात दिन बाद युवक का शव रायपुर थाना क्षेत्र में जंगल में मिला
- परिजन व ग्रामीण कर रहे हैं मुआवजे की मांग

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे उदयपुर पहुंची, गुलाबचंद कटारिया से की मुलाकात

इस मुलाकात को दोनों ने ही एक शिष्टाचार भेंट बताया

उदयपुर, (कासं)। रविवार को अचानक उदयपुर पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और असम के राज्यपाल कटारिया की गुपचुप हुई 45 मिनट की मुलाकात भाजपा में चर्चा का विषय बन गई है। हालांकि इस मुलाकात को दोनों ने ही एक शिष्टाचार भेंट बताया है, लेकिन विधानसभा चुनाव को लेकर इसके कई मायने भी निकले जा रहे हैं। कार से उदयपुर पहुंची वसुंधरा राजे के आने की सूचना मेवाड़ के किसी भी भाजपा नेता को नहीं दी मिल पाई थी, गुपचुप तरीक से राजे कार में बैठकर आईं और फिर गुलाब चंद कटारिया से 45 मिनट तक मुलाकात करके वापस बांसवाडा रवाना हो गई।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधराराजे रविवार सवेरे 8 बज कर 10 मिनट पर अचानक असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मिलने उदयपुर स्थित उनके आवास पर पहुंच गई। यहां उन्होंने करीब 45 मिनट तक कटारिया से बातचीत की और फिर वे अपनी कार से नौ बजे बांसवाड़ा रवाना हो गई। ये मुलाकात इतनी गोपनीय थी कि किसी को भी राजे के आने की सूचना नहीं दी गई, उनके जाने के कई घंटे बाद तस्वीरों के माध्यम से मुलाकात की पुष्टि हो पाई। 48 सीटों वाले मेवाड़ इलाके में राजे के बिना जानकारी दिए गुपचुप तरह से मेवाड़ आने और फिर भाजपा के कद्दावर नेता से 45 मिनट तक मुलाकात करने के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि राजस्थान में कोई बड़ा फेरबदल होने वाला है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों ही नेता अपने शीर्ष नेतृत्व से खफा चल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री को जिस तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है, वह भी राजे को अच्छा नहीं लग रहा है, राजस्थान की 41 सीटों पर जिस तरह से उनको और उनके नेताओं को दरकिनार किया गया है, ऐसा लगता है कि अब मेवाड की राजनीति कोई नया मोड़ लेने वाली है।

जानकारी के अनुसार राजनैतिक जीवन के दौरान कटारिया-राजे के सम्बन्ध कभी मधुर नहीं रहे, ऐसे में दो दिग्गजों की अचानक हुई मुलाकात कई नये राजनितिक संकेत दे रही है। इनमें भाजपा छोड़ कर जाने वालों की घर वापसी की भी प्रबल संभावना है।

दो दिन पहले यानी 13 अक्टूबर को कटारिया का जन्मदिन था। इसी के चलते वे तीन दिवसीय दौरे पर राजस्थान आए हुए हैं। जन्मदिन वाले दिन भी राजे ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट करते हुए कटारिया को बधाई दी थी। उन्होंने लिखा, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को जन्मदिवस की आत्मीय शुभकामनाएं, ईश्वर आपको अच्छा स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन का आशीर्वाद प्रदान करें, ऐसी मेरी कामना है।

गुलाबचंद कटारिया को मेवाड़ की राजनीति का दिग्गज कहा जाता है, राज्यपाल बनने के चलते इस बार वे राजस्थान की सक्रिय राजनीति का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा तूल पकड़ रही है। आम से लेकर खास तक, हर कोई यही चर्चा है कर रहा है कि पिछले 4 चुनावों में कटारिया का सियासी ठिकाना रही उदयपुर शहर विधानसभा सीट से इस बार भाजपा किसे टिकट देने वाली है। दावेदारों की लिस्ट में रविन्द्र श्रीमाली, पारस सिंघवी, रजनी डांगी और प्रमोद सामर सहित कई नाम हैं, लेकिन पार्टी का एक धड़ा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं चित्तौड़ सांसद सीपी जोशी को भी यहां से मैदान में उतारने की पैरवी कर रहा है।

कटारिया ने हाल ही में मीडिया को दिए अपने एक बयान में कहा था कि इस देश ने लोकतंत्र स्वीकार किया है। लोकतंत्र में राज जनता के हाथ में है, किसी पार्टी और नेता के हाथ में नहीं, इसलिए जनता को अपना बहुमत देने से पहले दिल और दिमाग सोच लेना चाहिए कि देश की जनता और भारत का हित किस विषय में है, इसलिए जनता से यही प्रार्थना है कि जब तक आप अपने बहुमत से अच्छा जनप्रतिनिधि नहीं चुनेंगे, तब तक लोकतंत्र अच्छा नहीं हो सकता।

- दोनों की मुलाकात भाजपा में चर्चा का विषय बनी, मेवाड़ की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत

38 लाख की चांदी व वाहन जब्त

भरतपुर, (निसं)। उद्योग नगर थाना पुलिस ने आगामी चुनावों को लेकर नाकाबंदी कर बड़ी कार्यवाही करते हुए 38 लाख रूपये मूल्य की चांदी व वाहन को जब्त करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर नाकाबंदी एवं सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। एएसपी भूपेन्द्र शर्मा व सीओ ग्रामीण पिन्टू कुमार के सुपरविजन में थाना अधिकारी उद्योग नगर राकेश ख्यालिया मय गठित टीम के द्वारा मथुरा रोड यूपी बोर्डर पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान मथुरा की ओर से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार को रूकवा कर उद्योग नगर थाना पुलिस ने गहन तलाशी ली। कार में 40 किलो चांदी के जेवरात मिले। जिस पर कार में बैठे लोगों ने चांदी परिवहन करने का बिल मांगा तो उनके पास कोई ईवे बिल नहीं मिला। इसी प्रकार सूजूकी वैन कार की तलाशी में 157 किलो चांदी जैसे जेवरात मिले। जिस पर सूजूकी वैन में बैठे 4 लोगों ने चांदी परिवहन का बिल मांगा तो उनके पास भी कोई ईवे बिल नहीं मिला। चांदी व चांदी जैसे जेवरातों को जब्त किया गया। जब्त वाहन एवं चांदी की अनुमानित कीमत 38 लाख रूपये मानी जा रही है। चांदी परिवहन करने के मामले में राजा, राजकुमार, मोहम्मद अनीस, मजीदुल्ला, जमील व मोहम्मद अयाज को गिरफ्तार किया।

बागरिया गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार, वारदातों का खुलासा

15 लाख से अधिक की चोरी की घटना को अंजाम दिया था

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की गुलाबपुरा थाना पुलिस ने बागरिया गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर दिनदहाड़े सूने मकानों से हुई चोरी की वारदात का खुलासा किया है।

जानकारी के अनुसार हाल ही में आगूचा गांव में आयोजित हुए मेले में एक परिवार गया हुआ था। इस दौरान सूने मकान को दिनदहाड़े निशाना बनाते हुए बागरीया गैंग ने रामपुरा स्थित मकान के ताले तोड़कर घर में रखे अलमारी व पलंग के अंदर से कीमती सोने व चांदी के आभूषण चुरा लिए व नगदी लेकर फरार हो गए। इसी तरह बराटिया में चोरी की वारदात को इसी गैंग द्वारा अंजाम दिया गया। थाना अधिकारी सुगंन सिंह ने बताया कि बागरिया गैंग द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिनदहाड़े दिया जाता था, वहीं लगे हुए सीसीटीवी कैमरे की हार्डडिस्क लेकर भी चोरी के उपरांत फरार हो जाते थे।

आगूचा क्षेत्र के बराटिया व आगूचा के रामपुरा में दिनदहाड़े बागरिया गैंग के चोरों ने घटना को अंजाम दिया है व लगभग 15 लाख से अधिक रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह के निर्देशन पर बढ़ती हुई चोरियों पर अंकुश लगाने के लिए गुलाबपुरा पुलिस उपाधीक्षक लोकेश मीणा के व थाना अधिकारी सिंह के निकटतम सुपरविजन में टीम का गठन किया गया। टीम में उमराव प्रसाद, अमरचंद, विजयपाल, इत्यादि का विशेष सहयोग रहा, जिसने एक माह के भीतर ही बागरिया गैंग का खुलासा करते हुए उंखलिया निवासी दुर्गा लाल व रतनलाल बागरिया को गिरफ्तार किया है।

गुलाबपुरा पुलिस ने बागरिया गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया।